प्रोफेसर राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संख्या : प्रोरासिविवि / कुसका / 2021– 402

दिनांक– 13 अक्टूबर, 2021

सेवा में,

प्राचार्य / प्राचार्या,
समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय,
प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय,
प्रयागराज, उ0प्र0।

विषय : उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निर्देशित एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के आलोक में वर्ष 2021–22 में परीक्षा प्रणाली लागू करने हेतु सामान्य दिशा–निर्देश एवं अकादमिक कैलेण्डर का प्रेषण।

महोदय / महोदया,

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निर्देशित एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के आलोक में वर्ष 2021–22 में परीक्षा प्रणाली लागू करने हेतु सामान्य दिशा–निर्देश एवं अकादमिक कैलेण्डर के सम्बन्ध में विश्वविद्यालय द्वारा सम्बद्ध महाविद्यालयों में प्रथम वर्ष / प्रथम सेमेस्टर में प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए निर्धारित परीक्षा दिशा–निर्देश एवं अकादमिक कैलेण्डर संलग्न कर आवश्यक अनुपालन एवं कार्यवाही हेतु एवं इनसे विद्यार्थियों को परिचित एवं जागरूक करने के उद्देश्य से भेजे जा रहे हैं।

2– उक्त परीक्षा दिशा–निर्देशों के अनुपालन के प्रक्रम में यदि किसी प्रकार की संशय / दुविधा की स्थिति हो तो उसके सम्बन्ध में विश्वविद्यालय से मार्गदर्शन प्राप्त करने का कष्ट करें।

संलग्नक–यथोक्त।

(एस0के0 शुक्ल) 13.10.2021
कुल सचिव।

पृष्ठांकन संख्या व दिनांक : उपरोक्त।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1. अपर मुख्य सचिव, मा0 श्री राज्यपाल / कुलाधिपति महोदया, राजभवन, लखनऊ।
2. अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
3. क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, प्रयागराज।
4. समस्त अधिष्ठातागण, प्रो0 राजेन्द्र सिह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
5. समस्त विभागाध्यक्ष, प्रो0 राजेन्द्र सिह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
6. परीक्षा नियंत्रक, प्रो0 राजेन्द्र सिह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
7. कुलानुशासक / जन सम्पर्क अधिकारी, प्रो0 राजेन्द्र सिह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
8. निजी सचिव कुलपति, प्रो0 राजेन्द्र सिह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
9. प्रभारी एजेन्सी को इस आशय से प्रेषित कि उक्त पत्र को विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों की कालेज लॉगिन तथा विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कराने का कष्ट करें।

(एस0के0 शुक्ल) 13.10.2021
कुल सचिव।

प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज
(उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय)

सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों हेतु दिशानिर्देश

"उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निर्देशित एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आलोक में परीक्षा प्रणाली लागू करने हेतु सामान्य दिशानिर्देश"

- प्रो० राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज से सम्बद्ध समस्त राजकीय, अनुदानित एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों पर ये दिशानिर्देश लागू होंगे तथा समस्त महाविद्यालयों को इन सभी दिशानिर्देशों का पालन अनिवार्य रूप से करना होगा।
- ये समस्त दिशानिर्देश सत्र **2021-22** से स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर प्रवेशित छात्रों पर ही लागू होंगे।
- वर्तमान में विश्वविद्यालय में वार्षिक पद्धति पर संचालित बी०ए०, बी०कॉम०, बी०एस-सी०, बी०लिब० एवं अन्य पाठ्यक्रमों का अध्यापन एवं परीक्षा पूर्ववत वार्षिक पद्धति पर ही होगी, जबकि सेमेस्टर पद्धति पर संचालित पाठ्यक्रमों में अध्यापन एवं परीक्षा पूर्ववत सेमेस्टर पद्धति में ही होगी।

परीक्षा एवं मूल्यांकन व्यवस्था -

- बी०ए०, बी०कॉम०, बी०एस-सी०, बी०लिब०एवं विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर वार्षिक पद्धति में संचालन हेतु निर्दिष्ट अन्य पाठ्यक्रमों की परीक्षा एवं मूल्यांकन पूर्ववत वार्षिक पद्धति पर ही होंगी किन्तु इसके अतिरिक्त अन्य पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं पूर्व की भांति सेमेस्टर पद्धति से ही होंगी।
- सभी विषयों (लिखित/प्रायोगिक/परियोजना/मौखिक आदि) के प्रश्नपत्र **100 अंक** के होंगे, जिनको क्रेडिट एवं ग्रेडिंग प्रणाली के आधार पर परिवर्तित करके अंकपत्र तैयार किये जायेंगे।
- सभी विषयों/प्रश्नपत्रों (लघु शोध प्रबन्ध, मुख्य परियोजना, इंटर्नशिप एवं मौखिकी को छोड़कर) की परीक्षाएं 25 प्रतिशत सतत आन्तरिक मूल्यांकन (CIE) एवं 75 प्रतिशत वाह्य मूल्यांकन (ETE) (विश्वविद्यालय परीक्षा) के आधार पर की जायेगी।
- प्रत्येक सत्र (वार्षिक/सेमेस्टर) के दौरान सतत आंतरिक मूल्यांकन तीन अवसरों पर किया जाएगा। प्रत्येक आंतरिक मूल्यांकन का पूर्णांक 12.5 अंक एवं अधिकतम कालावधि एक घण्टे की होगी।
- सैद्धांतिक विषयों में इन तीन आंतरिक मूल्यांकन में से कम से कम दो आन्तरिक मूल्यांकन लिखित परीक्षण एवं तीसरा आन्तरिक मूल्यांकन लिखित/ सेमिनार/असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण आदि के रूप में होगा। लिखित परीक्षा वर्णनात्मक प्रकार की होगी।

13.10.21
Registrar

- प्रायोगिक विषयों के भी तीन सतत आंतरिक मूल्यांकन होंगे तथा वाह्य परीक्षा दो परीक्षकों (आन्तरिक एवं वाह्य) द्वारा संपन्न कराई जाएगी।

- उदाहरणार्थ :

सतत आंतरिक मूल्यांकन					
Continuous Internal Evolution (CIE) (सतत आंतरिक मूल्यांकन)	**TEST – 1**	**TEST – 2**	**TEST – 3**	**BEST OF ANY TWO TEST**	**TOTAL**
	(MM-12.50)	**(MM-12.50)**	**(MM-12.50)**	**(Test-1/Test-2 /Test-3)**	**(MM-25)**
PAPER – 1	6.00	7.00	5.00	6.00 + 7.00	**13.00**
PAPER – 2	4.00	8.00	6.50	8.00 + 6.50	**14.50**

- लघु शोध प्रबन्ध, मुख्य परियोजना, इंटर्नशिप एवं मौखिकी आदि में सतत आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा एवं इनकी परीक्षा दो परीक्षकों द्वारा संपन्न कराई जाएगी।

- तीन आन्तरिक मूल्यांकन में से दो सर्वश्रेष्ठ प्राप्तांकों को वाह्य मूल्यांकन (विश्वविद्यालय परीक्षा) में पाये गए प्राप्तांकों के साथ जोड़ा जाएगा।

- प्रत्येक विद्यार्थी को कम से कम दो आन्तरिक मूल्यांकन एवं वाह्य परीक्षा में सम्मिलित होना अनिवार्य है अन्यथा उस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी को अनुपस्थित मानकर AB ग्रेड दिया जाएगा अर्थात विद्यार्थी को तीन आन्तरिक मूल्यांकन में से कम से कम दो आन्तरिक मूल्यांकन में उपस्थित होना अनिवार्य होगा नहीं तो वह वाह्य परीक्षा हेतु पात्र नहीं होगा एवं विद्यार्थी को उस प्रश्नपत्र में अनुपस्थित माना जाएगा।

- सतत आन्तरिक मूल्यांकन उसी शिक्षक द्वारा किया जाएगा जो उस सत्र में उस प्रश्नपत्र का अध्यापन कार्य कर रहा है।

- सतत आन्तरिक मूल्यांकन हेतु प्रश्नपत्र का निर्माण एवं सम्बंधित उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन, उस प्रश्नपत्र का अध्यापन कार्य करने वाले शिक्षक द्वारा ही किया जाएगा।

- सतत आन्तरिक मूल्यांकन फीडबैक आधारित होगा। मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका विद्यार्थी को दिखाने एवं उनकी संतुष्टि के उपरान्त वापस ली जाएगी तथा परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद सम्बन्धित संस्था द्वारा कम से कम छः महीने तक सुरक्षित रखी जाएगी। विश्वविद्यालय द्वारा आवश्यकतानुसार इनका परीक्षण किया जा सकता है।

- सतत आन्तरिक मूल्यांकन के संदर्भ में सम्बंधित शिक्षक का निर्णय अन्तिम होगा।

- सतत आन्तरिक मूल्यांकन में होने वाले समस्त व्यय को सम्बंधित संस्था द्वारा ही वहन किया जाएगा।

13.10.21
Registrar

- सतत आन्तरिक मूल्यांकन हेतु समय-सारणी विश्वविद्यालय द्वारा जारी की जाएगी। प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन के अंक द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन के पूर्व एवं द्वितीय के अंक तृतीय के पूर्व तथा तृतीय मूल्यांकन के अंक वाह्य परीक्षा के 15 दिन पूर्व लॉगिन में अपलोड करना सुनिश्चित करना होगा। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय लॉगिन बंद होने के पश्चात अंक किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

- वाह्य मूल्यांकन (विश्वविद्यालय परीक्षा) विश्वविद्यालय द्वारा सत्र (वार्षिक/सेमेस्टर) के अंत में संपन्न कराई जाएगी।

- लिखित एवं प्रायोगिक वाह्य मूल्यांकन (विश्वविद्यालय परीक्षा) 75 अंको की होगी।

- लिखित परीक्षा की कालावधि **2 घण्टे** एवं शब्द सीमा अधिकतम **2000** की होगी।

- लिखित परीक्षा के प्रश्नपत्र सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समाहित करते हुए बनाये जायेंगे। जिसमें अति लघुउत्तरीय, लघुउत्तरीय एवं दीर्घउत्तरीय प्रकार के प्रश्न होंगे और प्रश्नपत्र में प्रश्नों के उपयुक्त विकल्प दिए जायेंगे। विद्यार्थी को निम्नलिखित संख्या में प्रश्नों को हल करना होगा :-

प्रश्नों के प्रकार	प्रश्नों की संख्या	कुल अंक	शब्द सीमा
अति लघुउत्तरीय प्रश्न	03	03 X 03 = 09	50 शब्द
लघुउत्तरीय प्रश्न	04	04 X 09 = 36	200 शब्द
दीर्घउत्तरीय प्रश्न	02	02 X 15 = 30	500 शब्द
कुल योग	**09**	**75**	**अधिकतम 2000**

- सभी अनिवार्य सह-पाठ्यक्रम विषय की परीक्षा बहु-विकल्पीय आधार पर होगी। इसमें भी सतत आन्तरिक मूल्यांकन नहीं होगा।

- सह-पाठ्यक्रम विषय की परीक्षा एवं तृतीय वर्ष में लघु शोध परियोजना मात्र Qualifying प्रकार की होगी।

- विद्यार्थी कुल 60 प्रतिशत क्रेडिट अर्जित करने के पश्चात ही अगले वर्ष/सेमेस्टर में प्रोन्नत किया जाएगा। 60 प्रतिशत से कम क्रेडिट प्राप्तांको की दशा में विद्यार्थी को पुनः अगले सत्र में उसी वर्ष/सेमेस्टर में प्रवेश लेकर अध्ययन करना होगा।

संकाय एवं उपाधि पूर्ण करने की अवधि :-

- विद्यार्थी जिस संकाय में सफलतापूर्वक तीन वर्ष पूर्ण करने पर न्यूनतम 60 प्रतिशत क्रेडिट प्राप्त करेगा, उसी संकाय में उसको स्नातक की उपाधि प्रदान की जाएगी।
- यदि विद्यार्थी तीन वर्ष में किसी एक संकाय में न्यूनतम 60 प्रतिशत क्रेडिट प्राप्त नहीं कर पाता है, तो उसे बैचलर ऑफ लिबरल एजूकेशन की उपाधि दी जायेगी तथा वह उन विषयों में स्नातकोत्तर कर सकेगा, जिनमें स्नातक स्तर पर किसी भी विषय के पूर्व पात्रता की आवश्यक शर्त नहीं होगी।

13.10.2021

क्रेडिट एवं ग्रेडिंग प्रणाली :-

- समस्त विषयों में क्रेडिट एवं ग्रेडिंग प्रणाली लागू होगी। सैद्धांतिक विषयों हेतु एक क्रेडिट एक घण्टे के अध्यापन के बराबर होगा जबकि प्रायोगिक विषयों हेतु एक क्रेडिट दो घण्टे के अध्यापन के बराबर होगा।
- मुख्य एवं गौण विषयों के प्रश्न पत्र 4/5/6 क्रेडिट के हो सकते हैं, जबकि व्यावसायिक विषयों के प्रश्न पत्र 3 क्रेडिट के होंगे। सह-पाठ्यक्रमों एवं शोध परियोजना में कोई क्रेडिट नहीं होगा।
- सैद्धान्तिक पाठ्यक्रमों में 6 क्रेडिट के प्रश्न पत्र की कक्षाएँ सत्र में न्यूनतम 90 घण्टे की होगी। इसी प्रकार 5 क्रेडिट के प्रश्न पत्र की कक्षाएँ सत्र में न्यूनतम 75 घण्टे, 4 क्रेडिट के प्रश्न पत्र की कक्षाएँ सत्र में न्यूनतम 60 घण्टे, 3 क्रेडिट के प्रश्न पत्र की कक्षाएँ सत्र में न्यूनतम 45 घण्टे तथा 2 क्रेडिट के प्रश्न पत्र की कक्षाएँ सत्र में न्यूनतम 30 घण्टे की होगी। प्रयोगात्मक पाठ्यक्रमों में 2 क्रेडिट के प्रश्नपत्र की कक्षाएँ न्यूनतम 60 घण्टे की होगी।

सत्र	प्रश्नपत्र (क्रेडिट)	अध्यापन की न्यूनतम अवधि	
		सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम	प्रायोगिक पाठ्यक्रम
वार्षिक/सेमेस्टर	6 क्रेडिट	90 घण्टे	-
वार्षिक/सेमेस्टर	5 क्रेडिट	75 घण्टे	-
वार्षिक/सेमेस्टर	4 क्रेडिट	60 घण्टे	-
वार्षिक/सेमेस्टर	3 क्रेडिट	45 घण्टे	-
वार्षिक/सेमेस्टर	2 क्रेडिट	30 घण्टे	60 घण्टे

- **समस्त पाठ्यक्रमों में 10 पॉइंट ग्रेडिंग प्रणाली लागू होगी जो निम्नवत है :-**

लेटर ग्रेड	ग्रेड पॉइंट	विवरण	अंको की सीमा
O	10	Outstanding	90-100
A^+	9	Excellent	80-89
A	8	Very good	70-79
B^+	7	Good	60-69
B	6	Above Average	50-59
C	5	Average	40-49
P	4	Pass	35-39
F	0	Fail	0-34
AB	0	Absent	Absent

13.10.24

- **SGPA एवं CGPA की गणना निम्नवत सूत्र के तहत की जाएगी :**

SGPA (Si) =∑(Ci x Gi) /∑Ci	**यहाँ पर :** **Ci** = the number of credits of the ith course in a semester **Gi**= the grade point scored by the student in the ith course.
CGPA = ∑(Ci x Si) / ∑ Ci	**Si**= Si is the SGPA of the ith semester **Ci**= the total number of credits in the ith semester.

- **CGPS को प्रतिशत अंको में निम्नलिखित सूत्र के अनुसार परिवर्तित किया जायेगा :**

समतुल्य प्रतिशत = CGPA x 10

- **विद्यार्थियों को निम्नवत सारणी के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी :**

श्रेणी	वर्गीकरण
विशिष्टता के साथ प्रथम श्रेणी	8.00 अथवा उससे अधिक CGPA प्राप्त अभ्यर्थी को।
प्रथम श्रेणी.	6.50 से अधिक तथा 8.00 से कम CGPA प्राप्त अभ्यर्थी को।
द्वितीय श्रेणी	5.00 से अधिक तथा 6.50 से कम CGPA प्राप्त अभ्यर्थी को।
उत्तीर्ण श्रेणी	4.00 से अधिक तथा 5.00 से कम CGPA प्राप्त अभ्यर्थी को।

- वैधानिक संस्थाओं जैसे NCTE, BCI, ICAR एवं अन्य के अन्तर्गत संचालित समस्त पाठ्यक्रमों का अध्यापन एवं परीक्षाएं इन संस्थाओं के नियमानुसार होंगी।

- विश्वविद्यालय भविष्य में उपर्युक्त दिशानिर्देशों में किसी भी प्रकार का संशोधन एवं परिवर्तन कर सकता है तथा उपर्युक्त किसी भी बिन्दु को किसी भी समय निरस्त कर सकता है।

13.10.21
कुलसचिव

Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj

Academic Calendar 2021-2022

For All Affiliated Degree Colleges

1. Semester System: (for Semester-I)

Particulars	Semester-I
Semester Classes	13.09.2021
Registration for Examination	21.10.2021 to 10.11.2021
Internal Test-I	11.11.2021 to 18.11.2021
Internal Test-II	16.12.2021 to 23.12.2021
Internal Test-III	10.01.2022 to 15.01.2022
End Semester Exams (Including Practical Exams)	24.01.2022 to 28.02.2022

2. Annual System:

For First Year	
Particulars	Dates
Classes for Ist Year	13.09.2021
Registration for Examinations	21.10.2021 to 10.11.2021
Internal Test-I	22.11.2021 to 30.11.2021
Internal Test-II	17.01.2022 to 22.01.2022
Internal Test-III	07.03.2022 to 12.03.2022
Exams (Including Practical Exams)	25.04.2022 to 31.05.2022

13.10.21

Registrar
PRSU, Prayagraj